

हस्तिश्यामक पुं. (तत्.) 1. बाजरा 2. काला सावाँ।
हस्तिकंद पुं. (तत्.) एक पौधा जिसका कंद खाया जाता है, हाथीकंद, जिमी कंद।
हस्तिक पुं. (तत्.) हाथियों का समूह।
हस्ति-करंज पुं. (तत्.) बड़े आकार का वृक्ष।
हस्ति-कर्ण पुं. (तत्.) 1. टेसु या पलास 2. एक गण देवता 3. शिव का एक गण 4. अरंड का पेड़।
हस्ति-कर्णिका स्त्री. (तत्.) हठयोग में एक आसन।
हस्तिका स्त्री. (तत्.) एक प्राचीन बाजा जिसमें बजाने के लिए तार लगे रहते थे।
हस्ति-जिह्वा स्त्री. (तत्.) दाहिनी आँख की एक रक्तवाहिनी।
हस्ति-दंत पुं. (तत्.) 1. हाथी-दाँत 2. खूँटी 3. मूली।
हस्ति-दंती पुं. (तत्.) मूली।
हस्तिनरव पुं. (तत्.) हाथी का नाखून
हस्तिनापुर पुं. (तत्.) आधुनिक दिल्ली के उत्तर-पश्चिम का एक प्रसिद्ध प्राचीन स्थान जहाँ महाभारत संबंधी अनेक घटनाएँ घटित हुई थी।
हस्तिनासा स्त्री. (तत्.) हाथी की सूँड़।
हस्तिनी स्त्री. (तत्.) 1. मादा हाथी, हथिनी 2. कामशास्त्र और साहित्यशास्त्र के अनुसार चार प्रकार की नायिकाओं में से एक जिसका शरीर अत्यधिक मोटा हो, अधिक खाने वाली और जिसमें प्रबल काम-वासना हो, ऐसी स्त्री बहुत निकृष्ट और अधम मानी गई है।
हस्ति-मकर पुं. (तत्.) गवय नामक जल-जंतु।
हस्ति-मल्ल पुं. (तत्.) 1. ऐरावत 2. गणेश 3. उड़ती हुई धूल 4. पीला।
हस्ति-मुख पुं. (तत्.) हाथी के मुख वाले गणपति या गणेश।
हस्ति-मेह पुं. (तत्.) दे. हस्ति-प्रमेह।
हस्ति-व्यूह पुं. (तत्.) प्राचीन भारत में सेना के हाथियों का वह व्यूह जिसमें आक्रमण करने

वाले हाथी उरस्य में, तेज दौड़ने वाले मध्य में तथा व्याल (मतवाले) पश्च में होते थे।
हस्ती पुं. (तत्.) 1. वर्तमान होने की अवस्था, अस्तित्व 2. किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व जैसे- मेरे सामने मोहन की हस्ती ही क्या है पुं. (तत्.) हाथी।
हस्ते अव्य. (तत्.) किसी के हाथ से, माफत, द्वारा।
हस्त्य वि. (तत्.) 1. हाथ संबंधी, हाथ का 2. हस्त नक्षत्र संबंधी।
हस्त्यध्यक्ष पुं. (तत्.) हाथियों का प्रधान अधिकारी या निरीक्षक।
हस्त्याजीव पुं. (तत्.) 1. हाथियों का व्यवसायी 2. महावत।
हस्त्यायुर्वेद पुं. (तत्.) आयुर्वेद या चिकित्साशास्त्र का वह अंग जिसमें हाथियों के रोगों और उन्हें दूर करने के उपायों का विवेचन है।
हस्त्यालुक पुं. (तत्.) हाथी कंद।
हस्व अव्य. (अर.) किसी के अनुकूल या अनुसार, मुताबिक जैसे- हस्व-कानून-कानून के अनुसार।
हहर स्त्री. (देश.) 1. हहरने की अवस्था, क्रिया या भाव 2. कँपकँपी डर, भय।
हहरना अ.क्रि. (अनु.) 1. काँपना, थरथराना 2. डर या भय से काँपना, थराना 3. चकित या दंग हो जाना 4. ईर्ष्या से क्षुब्ध होना।
हहराना स.क्रि. (देश.) किसी को हराने में प्रवृत्त करना।
हहल पुं. (देश.) दे. हलाहल।
हहलना अ.क्रि. (देश.) दे. हहरना।
हहलाना अ.क्रि. (देश.) दे. हहराना।
हहा स्त्री. (अनु.) 1. दुखी या आर्त होने की सूचक ध्वनि, हा-हा, हाय पुं. 2. दैन्य का सूचक शब्द उदा. काढ़त दंत करंत हहा है (कविता की 7/69) 3. हाहाकार 4. जोर से हँसने की ध्वनि, ठहाका मुहा. हहा खाना- गिड़गिड़ाते हुए हा-हाय करना।
हाँ अव्य. (तद्.) 1. किसी प्रश्न का उत्तर स्वीकृति या सहमति में तथा किसी तथ्य का समर्थन व्यक्त करने के लिए प्रयोग में लाया गया